

ABILITY ENHANCEMENT COURSE

Offered by
DEPARTMENT OF HINDI

AEC 1:हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार (हिन्दी क)**Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course**

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार	02	2	--	---	हिंदी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives)

- सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना
- सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना
- प्रभावी सम्प्रेषण का गुण विकसित करना
- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना
- संचार माध्यमों के लिए लेखन कौशल का विकास

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes)

- सम्प्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे
- सम्प्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ का विकास
- प्रभावी सम्प्रेषण करना सीखेंगे

- पत्र-लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- मीडिया के विविध रूपों के लिए लेखन करना

SYLLABUS OF AEC-1

इकाई 1: सम्प्रेषण: सामान्य परिचय

(1-7 सप्ताह)

- सम्प्रेषण की अवधारणा
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विविध आयाम
- सम्प्रेषण और संचार

इकाई 2 : सम्प्रेषण और संचार के विविध रूप

(8-15 सप्ताह)

- सम्प्रेषण के प्रकार
- सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना संभावित विषय: (कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान, कूड़ा निस्तारण योजना)
- अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन
- ब्लॉग लेखन, सम्पादकीय लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी: सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
2. सूचना और सम्प्रेषण: तकनीकी की समझ: स्मिता मिश्र
3. सम्प्रेषण: चिन्तन और दक्षता: मंजु मुकुल
4. संवाद पथ पत्रिका: केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
5. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. सम्प्रेषणपरक व्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक